Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

To

Maharaj
Sri Amritha Vagbhava-
charya ji
C/o Seeta Rama Talwar
B-66
South Moti Bagh.
(Nanakpura)
DELHI

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

G. Gopalkrishna Sastry
Asthanavidwan of Saradapeetham
SRINGERI
577-139
Karnataka State.

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

Sringeri
13-7-82

परम शिव

परम पूज्य श्री अमृत वाग्भवाचार्य जी महाराज का दिव्य पादारविन्दों मे अनेक साष्टाङ्ग प्रणाम पूर्वक गोपाल कृष्ण शास्त्री आस्थान विद्वान जगद्गुरु शंकरचार्य शृंगेरि मठ का विज्ञापन कर रहें है। आठ महीनों के पहले आन्ध्र (हैदराबाद) मे नाडी दौर्बल्य से (Nervous Weakness) वाम भाग मे मणिबन्ध से आरम्भ होकर क्रमेण वाम पाद, वाम हस्त को दौर्बल्य आगये। प्रप्रथम तीन महीनो स्नान, भुज, पाठ नहीं। बैठना, उठना मुश्किल होगया॥ विजयवाडा मे Phyjo Therapy वैद्य चिकित्सा करने से अर्ध आरोग्य हो गये। वहाँ से शृंगेरि आकर तीन महीना हो गया॥ श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महाराज यात्रा के उत्तर भारत होकर Bombay, Dwaraka Haridwar, Gangothri, Yamunothri, ~~Lakh Ghar~~, देखकर Delhi में आषाढ पूर्णिमा से 'वसन्तविहार' मे चातुर्मास्य शिष्य स्वामी के साथ कर रहे हैं॥

आप का दिव्यानुग्रह, दिव्योपदेशों का प्रभाव से, अभि 75% (तीन हिस्सा) आरोग्य हो गया। मेरे धर्मपत्नी साथ रहकर, सेवा कर रही हैं। मेरे माताजी आन्ध्र प्रदेश मे गाँव मे है। एक भाई कानपुर मे दूसरा भाई, औरङ्गाबाद मे अपना नौकरी कर रहे हैं। आपक कृपा से बाकी सब ठीक हैं। इस लिये इस वर्ष होली मे बृन्दावन आकर आपक दर्शन कर न सके। तोभि आपक चित्र दर्शन

आप का स्वास्थ्य कैसा है। आप का अनुमति लेकर Delhi आने को प्रयाण का तय्यारि कर रहा हूँ। इस लिये कृपा करके आप का 'Programme' और निरवचायियें उचित से

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

स्मरण। प्रभाव से धैर्य से रहते
हैं। गणेश चतुर्थि को "वसन्त
विहार" मे श्री श्रृंगेरि जगद्गुरु
शंकराचार्य जी के पास
विद्वत्सभा आरम्भ होकर भाद्रपद
पूर्णिमा तक चलेगी। भारत
भर के प्रौढ पण्डित लोग आवेंगे
ये सब आपको पास होने
के कारण मालुम होगी। गणेश
सभा मे मुझ को आने को
आह्वान है॥ इस अवसर पर Delhi
आकर आपका भी दिव्य दर्शन
उपदेशों का परम लाभ पाकर
कृतार्थ होने को विचार है॥
श्री सीताराम जी को उनके
लड़की, जामाता, वगैरा परिवार को
मेरा कुशल प्रश्न है॥ उनके श्रद्धा-
पूर्वक आतिथ्य को मैं हमेशा ऋणि हूं।
आपका कृपाकांक्षी - [illegible]

आप का स्वास्थ्य कैसा है? आप का अनुमति लेकर
Delhi आने को प्रयाण को तय्यारि करना है। इस लिये
आप का 'Programme' शीघ्र ही लिखवायिये।

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

BY AIR MAIL
PAR AVION
हवाई डाक से

10 nP INDIA 10 नप

Redirected

श्रीमान् पूजनीय आचार्य श्री-
अमृत वाग्भव महोदय की सेवा में
C/o पं० बलजिन्नाथ जी शास्त्री एम.ए.ओ.एल.
कुलगाम (कश्मीर)
Kulgam
c/o V.D. Bhakshi,
Office Supdt.
Hindustan Housing Factory
BHOGAL, JUNGPURA NEW DELHI

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

श्री हरिशास्त्री दाधीच
महन्त गोविन्ददास जी का ...
म्यूजियम मार्ग ...
जयपुर (राजस्थान)

14-9-62
3.30PM

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

२७।८।६२॥

॥ श्रीः ॥

श्रीमन्तो ये भवन्तः श्रीमहामहिमशालिनः ।
सर्वतन्त्रस्वतन्त्राः स्युर्जगन्नाथोऽमृतवाग्मिका ॥१॥
आचार्यविधया गुरवो विज्ञाः स्वीकुर्वन्तु मे ।
प्रणामान् समर्प्यन्ते कविश्रीहरिशास्त्रिणः ॥२॥
श्रीमतां तत्र भवतां सतां तत्त्वविदां विभो !
कृपया लालिता व्याख्या सहर्षं काव्यमद्भुतम् ॥३॥
पूर्णप्रायं मुद्रितं च, तदादौ लेख्यमस्तु किम् ।
मया प्राक्कथनं नाम लिखितं तत्सुरक्षितम् ॥४॥
संस्कृते हिन्दीभाषायां तदादौ देयमास्ति वै ।
अतः परं श्रीमतां च लेखो वा संमतं तथा ॥५॥
शुभाशीर्वाद एव मे । किमप्यास्तां च तावकम् ।
अनेकेषां तु विदुषां संमतानां प्रयाचने ॥६॥
पुस्तकं पृथुलं भावि. कालो बहु लगिष्यते ।
तत्कृत्वा नाहि [illegible] मिलितानि [illegible] ॥७॥
अथेऽन्यभवतां नाम कीदृशं ज्ञास्ति तत्कृते ।
यथाचार्या वदिष्यन्ति तद्विधेयं तथा मया ॥८॥
आगमः श्रीमतामत्र शीघ्रमेव भवेद्यदि ।
तदा तु सर्वे ह्येव कामाः पूर्णतां प्राप्नुयुर्ध्रुवम् ॥९॥
जयपुर कार्यालयादीनां लग्नः समाप्तिकोऽधुना ।

पुस्तकस्यास्य सीवनं च तथैव मुखपृष्ठके ।१०
महर्घत्वान् पदार्थानां वर्धते अधिको व्ययः ।
इत्यादि सर्वं श्रीमत्या भगवत्या महेशितः ।११
कृपया सर्वकार्याणि सुसम्पन्नं भविष्यति ।
कृतज्ञता प्रकाशये हि मदीया लिखितो लघुः ।१२
सम्प्राप्यानवा विज्ञप्तिः निर्दिश्यतां कृतम् ॥

पत्रमेकं मया दत्तं श्रीमद्गोविन्दशर्मणे ।१३
आशासे तेन विदुषा श्रीमद्भ्यो लिखितं भवेत् ।
किं विधेयं मया तत्र शीघ्रमादिश्यतां विभो ।१४
समाराध्य भवतो नित्यं, हृदये स्वमभीष्टवत् ।
कृपादृष्टिर्यदि मदर्थे मिलिता त्वया विभो ! ।१५
विघ्नोऽपि तु भवेत् [illegible] देवे ।
कृपावर्षं महते [illegible] भो ।१६
दृष्ट्वा तत्कृते ह्युत्साहे संभाविष्याम्यहं स्वीशपदम् ।

श्रीमतां दर्शनाभिलाषी
२७।८।६२
श्रीहरिशास्त्री दाधीचः
जयपुरस्थः

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मालूम तो ~~[illegible]~~ नहीं लगा था कि
आजकल लोगों के ओर का पत्र लिखूंगा।
अत: उन के फिर ओर का भी लिखूंगा।
और व्याकरण का कार्य पूर्ण कुछ दिन
अधिक करना पड़ेगा। क्योंकि योगी बहुत
उत्साहित है और यहां पहली बैठक में 200
श्लोकों का व्याख्यान किया। इसलिये
और जानकारी के अधिक नहीं लिख
सकता हूं। फिर दूसरा पत्र में एक हाल
दूसरा लोगों का लिखूंगा।
आप सब ओर को मेरा नमस्ते
सूचित करने की कृपा अवश्य करें।
परमगुरु जी, आप को इतना दूर किया है
समझ के इसी में है इस देश वंशों (परिवारों)
का कल्याण है। आप को इस देश ...
ने जीवन के पर ... सकता है।
दर्शन देने की कृपा अवश्य करें।

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

NEW DELHI 20-8-...

सेवा में
श्री:
Shri K.K. Anand شری کے کے آنند
House of Pt Banke Bihari ji مکان پنڈت بانکے بہاری جی
Gogji-Bag گوگجی باغ
Shirinagar Kashmir سرینگر کشمیر

पहला मोड़ First fold
तीसरा मोड़ Third fold
दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: १००८ ~~[illegible]~~ आचार्य भगवान

लालकुआँ

प्रिय [illegible]

हम लोग १५ ता. को [illegible] पहुंच गये थे और

२६ [illegible] २२० रुपये की लालबस [illegible] करके [illegible]

श्री [illegible] जी के दर्शनार्थ [illegible] गये [illegible]

[illegible] पहुंच गये थे [illegible]

को देहली [illegible] गीता की [illegible]

[illegible] १०११ [illegible]

को [illegible] देहली पे १०० [illegible]

[illegible] यात्रा निर्विघ्न तथा कुशलपूर्वक

सम्पूर्ण हुई है। पता [illegible] है [illegible]

[illegible] गाड़ी [illegible] हो गई है

[illegible] करता है।

[illegible] (वरवधू) [illegible] की [illegible]

आप की [illegible] तथा सम्बन्धियों का

[illegible] की [illegible]

[illegible] ठीक [illegible] होगी [illegible]

[illegible] आप की आशानुसार [illegible]

[illegible] जी का [illegible]

पत्र आपको [illegible]

शरद [illegible] तथा [illegible] कुशलपूर्वक हैं। [illegible] के [illegible] प्र

[illegible] - [illegible] तथा [illegible] को [illegible] लिखना [illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 20 INDIA 20

3/5/79

सेवा में
श्री सुमति-चन्द्र जी शर्मा
दया भवन
रेलवे लाइन के नीचे
P.O. Below Railway Line
SOLAN. सोलन
H.P. हिमाचल प्रदेश

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

भारतीय स्टेट बैंक 5000 कार्यालय
मासिक आमदनी का ... और जरिया हमारी मियादी जमा योजनायें
State Bank of India 5000 OFFICES

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्रीः

285 RPS Flat Madangir
New Delhi 62
31. 5. 79

आदरणीय बन्धुवर श्री सुभाषजी,

सादर प्रणाम।

आज प्रातः "प्रेमो शं ओं" का जप कर रहा था कि रतनलालजी के लड़के ने आपका पोस्टकार्ड लाकर दिया, अनन्तश्रीविभूषित पूज्य महाराज जी सोलन आपके यहाँ पधार गये, यह जानकर हर्ष हुआ। मैं कई दिनों से आपको पत्र लिखने की सोच रहा था। इधर दिनांक 20.5.79 को बेटे आई भारतेन्दु ने तीव्र निद्रा देने वाली पचास गोलियां एक साथ खाली थीं किन्तु श्री महाराजजी की कृपा से पिताजी श्री महामृत्युञ्जय का हस्पताल में जप करते रहे, अतः मृत्युमुख से निकाल लाये।

श्री मन्दाक्रान्ता स्तोत्र लगभग पन्द्रह दिवस पूर्व प्रेस में जा चुका है और पिताजी हिन्दी संस्कृत के प्रूफ देख रहे हैं। इधर अंग्रेजी अनुवाद का संशोधन कल से श्री रघुनाथजी करेंगे। आज भी मैं उनके घर गया था किन्तु वे यूनिवर्सिटी चले गये थे, वैसे श्री सन्तरामजी ने इसे काफी सुधार दिया है। आशा है शीघ्र ही इसे भी प्रेस में दे देंगे।

पिछले रविवार को "अमृत वेदन" के घर का लेंटर डाला गया था सो जानें।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सीमेन्ट का प्लास्टर कर दिया
जायेगा। यह सब महाराज जी की
कृपा का परिणाम है, उन्हीं
के आशीर्वाद से 6 जून को
प्रातःकाल गृह प्रवेश का मुहूर्त
कर देंगे। महाराज जी की कृपा का
मैं शब्दों में कैसे वर्णन करूँ,
उनके श्री चरणों में मेरा तथा
परिवार के सभी लोगों का 'साष्टांग
दण्डवत प्रणाम निवेदन करें।
श्री भुवनेश्वरी स्तोत्र की प्रगति
के विषय में अगले सप्ताह तक
निवेदन करूँगा। इधर अभी मौसम
ठंडा ही है। कृपा पत्र देवें

कृपाकांक्षी

रवि शंकर त्रिवेदी

पहला मोड़ FIRST FOLD

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

INDIA
10 P भारत 10 P

सेवामें—

श्री श्रीजी महाराजजी C/o पं०
नित्यानन्द दत्तजी,
J-491 श्रीनिवासपुरी
नई दिल्ली (New Delhi)

तीसरा मोड़ Third fold

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :— Sender's name and address :—

(छोटेलाल)

8/5/68

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

भरतपुर,
दिनाङ्क ८-५-६८,
बुद्धवार।

सेवामें

श्रद्धेय, परमादरणीय एवं पूजनीय, प्रातःस्मरणीय तथा भगवन् श्रीजीमहाराजजी महाराज करबद्ध चरणार्विन्दों में साष्टांग दण्डवत प्रणाम मालूम हो।

मैं यहाँ आपकी कृपा-दृष्टि से सकुशल हूँ। मैं आपके भगवत् रूप के दर्शन करने के लिये बहुत ही उत्सुक हो रहा हूँ। मैं ~~जब~~ परीक्षा बी.ए. (अंग्रेजी केवल) देने हेतु दिनाङ्क २८-४-६८ को पलवल पहुँचा क्योंकि श्री भगवनजी परीक्षा दिनाङ्क २९-४-६८ से प्रारम्भ होनी थी। पलवल आने से पूर्व मैं श्री पं० जी महाराज से मिला उन्होंने भूल से आपका पता नहीं बतलाया। अतः मैं आपके दर्शन नहीं कर सका। मैं दिल्ली आकर आपके दर्शन लाभ प्राप्त करता तथा कृतार्थ होजाता। आपकी पावन-कृपा से मैं इहलोक और परलोक अवश्य सुधार लूँगा। ऐसा मेरा दृढ़ एवं सत्य विश्वास, श्रद्धा, भक्ति, प्रेम आदि आदि हैं। यह सब आपकी ही दया-दृष्टि है।

प्रश्नपत्र दिनाङ्क १-५-६८ को समाप्त हो गये। कुल तीन ही पेपर देने थे ~~है~~ और मैं अन्तिम प्रश्नपत्र देकर भरतपुर शाम ~~की~~ बस वापिस आगया।

भगवन्! प्रश्नपत्र पूर्णतः सन्तोष-जनक नहीं हुये हैं। मुझे आपकी केवल कृपा एवं दया-दृष्टि ही बचा सकती है। महाराजजी! मैं उक्त परीक्षा इससे पूर्व दोबार ~~है~~ और दे चुका हूँ परन्तु श्री सम्पन्नता नहीं प्राप्त हुई। अबकी बार आप कृपा करें, दया करें, क्षमा करें, स्नेह करें भगवनजी ताकि मेरी रक्षा हो

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

सके। समय और धन का काफी दुरुपयोग हो चुका है। इसबार मैंने जीजान से महनत की है, परन्तु प्रश्नपत्र बिल्कुल सन्तोषजनक नहीं हुये है।

आप ही रक्षा कर सकते हैं, आपके लिये पुकार है। आप कल्याण करें। रक्षा करें। मैं आपके दर्शन करना चाहता हूँ आप मुझे आज्ञा देवें। श्री.... श्री...।

श्री पं. जी महाराज को यथोचित जयशंकर ज्ञात हो।

दि०:- ८-५-६८ मैं हूँ,

आपका पुत्र -

[signature]

पहला मोड़ First fold

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र
INLAND LETTER

POSTAGE 10 nP INDIA १० नप

सेवा में

श्री :

श्रीमान् · डॉक्टर बलजिन्नाथ पंडित
अनन्त नाग कालेज अनन्तनाग
काश्मीर

Anant Nag College
Anant Nag - Kashmir

← तीसरा मोड़ Third fold →

दूसरा मोड़ Second fold

भेजने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

प्रेषक: वैद्य - त्रिगुणा
मोर्गन रोड़ जंगपुरा
दिल्ली. 14

1917/6

KHANABAL P.O. 25 ... 60

इस पत्र के अन्दर कुछ न रखिये NO ENCLOSURES ALLOWED

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री १०८ श्री कृष्ण स्वरूप जी !

सादर प्रणाम ।

एक पत्र पहले भी लिखा था आशा है मिला
समाचार जानकर भेजिए ही । इन लोगों यहां के आप
श्रावणी पूर्णिमा २ अगस्त की पूर्णिमा के उपरान्त जैन ने
यहां १० दिन निरन्तर वर्षा के बाद आज आकाश
निर्मल हुआ है १० दिनों में केवल १० घंटे सूर्य नारायण
निकले होंगे दिल्ली में इतनी लम्बी वर्षा इस शताब्दी में नहीं
हुई । कश्मीर में वर्षा का कार्य टाल है यात्रा में बाधक
तो नहीं होगी ? हमें कृपया क्या जरूरी सामान साथ लाना
चाहिये । मेरी इच्छा है कि कश्मीरी दोहरी दुपट्टी लोई
वहां आकर ही खरीदें जो वहां ऊनी नाम या पटना गोल
की ऐसी दुकान है कि हम जाते हुए खरीद कर लें या इस बार
ले पूरा प्रबन्ध कर के चलें । आप के दर्शन कहां होंगे ?
आप अमरनाथ जाने का निश्चय लिया चलने की कृपा के
कृपया निश्चित पत्र में लिखें - आप का कृपा पत्र
आने पर ही हम ~~अप~~ अपना सामान बांधेंगे ॥
यहां से हम खाने का राशन आटा घी गौरी चावल
सामान चाहिये या नहीं पहले आप के पत्र
[illegible]

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पहला मोड़ First fold

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

नवम एशियाई खेल
IX ASIAN GAMES
DELHI 1982

भारत
25 INDIA 25

4/3/82

सेवामें

श्री श्रीजी महाराजजी C/o श्री सीतारामजी,
B 66
साउथ मोती बाग,
साउथ नं० 2 नई दिल्ली
(NEW DELHI)

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

छोटेलाल,
श्री सन्तोष सदन,
मथुरा गेट, भरतपुर (राज०)

पिन PIN 321001

अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता
के प्रति अपराध है।
UNTOUCHABILITY IS A CRIME
AGAINST GOD AND MAN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥श्रीः॥

भरतपुर,
दिनाङ्क 4-3-1982
गुरुवार

सेवामें

परमादरणीय एवं पूज्यनीय महामहिम श्रीमहाराजजी!

परमपावन श्रीचरणारविन्दों में करबद्ध ढोक तथा कोटिशः जयशंकर जयशंकर की ज्ञात हो।

कुशलक्षेम के उपरान्त प्रार्थना है कि मैंने दिनाङ्क 27-1-1982 को सेवामें पत्र प्रेषित किया था जो कि आपको उपलब्ध होगया होगा। अब आगे प्रार्थना है कि मैं राजकीय विभिन्न व्यवस्थाओं के कारण दो बार आपके दर्शन करने की तिथि निश्चित करने की सूचना प्रेषित करने पर भी दिल्ली नहीं आ सका। इसके लिये बारम्बार प्रार्थना है कि मुझे क्षमा करने की कृपा करेंगे तथा दया करेंगे।

अबकी बार पुनः मैं आपके पत्र की प्रतीक्षा बड़ी उत्सुकता से कर रहा हूं। प्राप्त होनेवाले पत्र में आपके निर्देशानुसार श्रीचरणकमलों में आकर दर्शन करूँगा। आप कृपा कर पत्र-प्रेषण कराने की कृपा करेंगे।

श्रीजगदम्बा भगवती से एकमात्र यही प्रार्थना करता रहता हूं कि आपकी अनुकम्पा सदैव बनी रहे — दया-दृष्टि से सदा ही निहारते रहें — आपका दिव्य प्रकाश सदा सदैव उपलब्ध होता रहे एवं आपका स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक रहे।

आपको पुनः बारम्बार नमस्कार-नमस्कार है।

मैं कल दिनाङ्क 3-3-82 को पण्डितजी के यहाँ गया। उनका स्वास्थ्य ऐसा ही चल रहा है। आदरणीय पण्डितजी का यथायोग्य जयशंकर ज्ञापित हो।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पिताजी का यथोचित जयशंकर की मालूम हो। गृहिणी एवं बच्चों का श्रीचरणों में ढोक प्रीत हो।

शेष आपकी दया-दृष्टि।

सेवार्पित।

आपका वत्स--
[signature] 5/3/82
(छैलाल)

आदरणीय बाबूजी को जयशंकर की प्रीत हो। आदरणीय श्री रविशंकरजी त्रिवेदीजी, श्री रतनलालजी सभी सुहृदयों एवं सज्जनों को नमस्कार-- जयशंकर की प्रीत हो।

[signature] 5/3/82

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

To,

श्री सुभाष जी शर्मा
S.C. Sharma Engg. J.E.
दयाभवन रेलवे लाइन के नीचे
Daya Bhawan (Below Rly. Line)
SOLAN (H.P.)
सोलन (हिमाचल प्रदेश)

पिन PIN 173212

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

From R. Shastri
JODHPUR

पिन PIN 342003

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:   शिवोदय भवन (व्यासजी का नोहरा)
चौपासनी रोड, सरदारपुरा
जोधपुर 342003
दि. 21.6.80

श्रीमान् शर्मा साहब,

सादर नमस्कार। शमुभयत्र।

आपका कृपा-पत्र कल मिला, प्रसन्नता हुई। आपने पूज्यपाद श्री श्रीजी की सेवा में मेरा निवेदन पहुँचा दिया, एतदर्थ धन्यवाद। मुझे पत्र लिखते समय यह पता नहीं था कि आपके यहाँ उनके विराजने का कितने दिन का विचार है? आपने उनसे प्राप्त कर जो निर्देश भेजे हैं, उनके लिये अनुगृहीत हूँ। पुस्तक का अब प्रकाशन 'श्री अमृत ग्रन्थमाला' में ही रहेगा, जैसा आदेश है। स्तोत्र में मूलरूप से "मन्दाक्रान्ता" का ही उल्लेख रहने से स्तोत्र का नाम 'श्री मन्दाक्रान्तास्तोत्र' ही मुझे समझ में आया, श्री भगवती स्तव को मैंने इस स्तोत्र का अपर नाम समझा, अत: इन दोनों को अलग रखते हुए 'मन्दाक्रान्तास्तोत्र' का आशय श्री भगवतीस्तव से है, यह इस भाव को बतलाने के लिये मान कर, उसे कोष्ठक में दिया। अब टाइटिल पेज पर इसका सुधार हो जायगा। यह आप मेरी ओर से निवेदन कर दें।

श्लोकों के अंक के साथ व्याख्या में भी अंक लगें, यह बात ठीक है। मैंने व्याख्या लिखते समय अंक नहीं लगाये, प्रेस कॉपी पुरानी ही दे दी और प्रथम दो श्लोकों की व्याख्या देख कर वैसा करने को कह दिया था, प्रेस दूर है, और यहाँ गर्मी अधिक असह्य पड़ रही है, पैदल थोड़ा सा भी चलता हूँ तो साँस उखड़ने लगती है, इस दृष्टि से प्रतिष्ठान के ही एक व्यक्ति को प्रूफ देखने का काम सौंपा हुआ है, दो फ़र्मे छप गये, तब इस भूल का पता लगा, अब आगे श्लोकों में क्रम सुधारा है और अन्तिम प्रूफ मैंने मँगाने और लिखित प्रिन्ट आर्डर के बिना न छापने को प्रेस को भी कहा है किंतु १८ श्लोक तक यह गड़बड़ हुई है। अब जैसे ही छपाई पूरी हो कर पुस्तक तैयार होगी, हाथ से नम्बर लगा दिये जावेंगे, अन्य कोई उपाय नहीं है।

मैंने पूर्व-पत्र में जो यह निवेदन किया था कि आप श्री आचार्यचरण से मेरा यह निवेदन करें कि इस प्रकाशन के लिये आशीर्वाद स्वरूप कुछ भेजें उस का आशय यही था कि इस प्रकाशन के लिये आशीर्वाद स्वरूप कोई पद्य या 'दो शब्द' जैसे आमुख के रूप में कुछ भेजें तो उसका पुस्तक के साथ प्रकाशन हो। उसका अर्थ किसी प्रकार की धन की व्यवस्था से नहीं था, वह तो उनके आशीर्वाद के फलस्वरूप पहले से हो हीगई है, अब धन की व्यवस्था तो श्री आत्मविलास के द्वितीय संस्करण और श्रीराष्ट्रालोक के सञ्जीवन भाष्य हेतु होनी चाहिये। अत: मेरा तो यही निवेदन है कि अब श्री आचार्य-चरण उनके भक्तों को ऐसा सम्बल प्रदान करें और ऐसा अनुग्रह करें जिससे उक्त साहित्य का प्रकाशन यथाशीघ्र हो सके।

श्री मन्दाक्रान्तास्तोत्र के प्रकाशन में श्री श्रीजी का जो चित्र छपा है, वह शायद अच्छे कागज पर न होने से बहुत अच्छा प्रतीत नहीं होता, मैंने श्री मिश्रजी को भरतपुर उक्त चित्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पहला मोड़ FIRST FOLD

के ब्लॉक को प्रकाशनार्थ भेजने हेतु लिखा था, वह ब्लॉक शायद जयपुर में या दिल्ली में श्री के पास हों, उसके अतिरिक्त यदि कोई अन्य चित्र हो तो उसका ब्लॉक यहाँ बनवाया जा सकता है, अतः इस सम्बन्ध में भी आप मुझे सूचित करावें कि कौनसा चित्र प्रकाशनार्थ देने की श्री श्रीजी की अनुमति है? यदि पहलेवाला चित्र ही देना हो तो जहाँ ब्लॉक हो, वहाँ यह सूचना भिजवादी जावे जिससे त्रिकोण और चित्र के ब्लॉक मुझे समय पर मिल जायँ। पुस्तक का मुद्रण इस मास के अन्त तक पूरा हो जाने की सम्भावना है।

आशा है, आप मेरा आशय अब समझ गये होंगे। उपर्युक्त बातों के सम्बन्ध में जैसी आज्ञा हो, अविलम्ब सूचित कराने का कष्ट करेंगे।

पुनश्च- सारांशतः - प्रकाशन के लिये श्री आचार्यचरण आशीर्वादस्वरूप कुछ पद्य या दो शब्द' जैसा कुछ यदि वे भेजने की कृपा करें तो वह प्रकाशनार्थ भिजवावें। चित्र और ब्लॉक के सम्बन्ध में जैसे निर्देश हों, उनसे अवगत कराइये।

यहाँ योग्य कार्य लिखें। श्री श्रीजी की सेवामें प्रणाम कहें। परिवार में यथायोग्य।

शेष क्षेम। शान्ति।

आपका,

(मानन्द शास्त्री)

... पर न होने से बहुत अच्छा प्रतीत नहीं होता, मैंने श्री मिश्र जी को भरतपुर उक्त चित्र

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ काट कर खोलिए TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

SOUTH DISTG (103) 10 HRS 15 JULY 1978 NEW DELHI

CORRECT & COMPLETE ADDRESS ENSURES PROMPT DELIVERY

भारत INDIA 20 20

सेवा में
अनन्त श्री विभूषित श्री जी महाराज
c/o चौधरी दसौंधाराम मिलखीराम जी
P.O. SOHANA
Via Ropar रोपड़ (Panjab)

पिन PIN

पहला मोड़ FIRST FOLD

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

12/7/78

पिन PIN

File your Income/Wealth return on time
Before that, Pay Self assessment tax
INCOME TAX DEPARTMENT

सारी व्यवस्था अपने सामने स्वयं करवाकर
अमृतसर के लिए 18.7.78 को पधार जायें,
यह तभी संभव है जब आप 18.7.78 तक
काशी पहुँच जायें। काशी में निवास की
व्यवस्था अभी मात्र दो मास के लिए कर
रहे हैं किन्तु आशा है कि जब तक आप चाहेंगे
भविष्य में तब तक के लिए हो जायेगी।
अब आप जैसा उचित समझें, वैसा
सूचित करें। आपके आशीर्वाद से यहाँ
सभी प्रसन्न हैं।

कृपाकांक्षी
रवि शर्मा त्रिवेदी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

नई दिल्ली
12.7.78

अनन्तश्री विभूषित पूज्य गुरु महाराज जी,

चरणकमलों में साष्टांग प्रणाम।

आशा है कि "प्रमो श्री मो" की कुछ एक प्रतियाँ
इस पत्र से पूर्व ही आपको मिल गई होगी।
यहाँ बन्धुवर श्री रघुनाथ जी ने
आज सूचित किया है कि आपने काशी में
निवास करने की जो इच्छा की थी उस विषय
में श्री रघुनाथ जी के पूर्वाश्रम के चाचा श्री नन्दलाल
जी और अब स्वामी श्री नन्दनन्दनानन्द जी ने करपात्री
जी महाराज से चर्चा चलाई थी। श्री करपात्री जी
महाराज ने आपके लिए काशी में अपने
पास ~~में~~ नवनिर्मित विश्वनाथ जी के मन्दिर
साथ व्यवस्था कर दी है। श्री करपात्री जी
हाराज काशी में ही चातुर्मास करेंगे
र श्री नन्दनन्दनानन्द जी महाराज अमृतसर में
ातुर्मास करेंगे। श्री नन्दनन्दनानन्द जी महाराज
दिनांक 18.7.78 तक काशी में विराजेंगे और
नकी इच्छा है कि आप भी दिनांक 18.7.78
तक काशी पधारें ताकि वे स्वयं श्री करपात्री जी
से आपका परिचय करवा देवें। ~~अब~~ और
आपके लिए भोजन निवास आदि की

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यहाँ खोलें TO OPEN CUT HERE

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत
20 INDIA 20

सेवा में

अलंकृत श्री विभूषित श्री जी महाराज
C/o श्री चौधरी मिलखीराम दौलतराम जी
Village SOHANA सोहाना
via ROPAR रोपड़
पंजाब

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

दूसरा मोड़ SECOND FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री

B-306 साउथ मोतीबाग
नई दिल्ली

प्रातःस्मरणीय अनन्तश्री विभूषित पूज्य महाराज जी, साष्टांग
चरण कमलों में सादर प्रणाम।

नालागढ से आपका कृपापत्र पाकर कृतार्थ हुआ। श्लोकों में कोई भी परिवर्तन न कर ज्यों के त्यों प्रकाशित कर दिये हैं। मेरा विचार था कि प्रथम एक सौ एक प्रतियाँ आपकी सेवा में नालागढ भेजता किन्तु अब तो आप देहली पधार रहे हैं।

एक अपराध यह हो गया है कि आदरणीय श्री ~~चौधरी साहब~~ (श्री मेलाराम जी) ने आपका फोटो गत सप्ताह भेज दिया था किन्तु अस्वस्थता के कारण मैं उनको कृतज्ञता का पत्र भी न लिख सका, सो क्षमा करें। चौधरी साहब फोटो भेजकर जो उपकार किया, उसके लिए मैं कृतज्ञता प्रकट करता हूँ। अब ब्लाक बनके यह फोटो श्लोकों के साथ ही छप रहा है।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

यह जानकर यहाँ सब
भक्तों को हर्ष हुआ
कि आप शीघ्र वहाँ
पधार रहे हैं।

शेष आपके आशीर्वाद
से सभी कुशल हैं। श्री चरणों में
सभी लोगों का साष्टांग प्रणाम
स्वीकार हो।

योग्य सेवा लिखना। कृपा बनाये रखें।
कृपाकांक्षी
रवि शंकर त्रिवेदी

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD

भारत 20 INDIA 20

सेवा में

श्री परम पूज्य "श्री" जी महाराज
C/o श्री सुभाष जी शर्मा
दया भवन रेलवे लाइन के पास
Near (I.T.I.) सोलन SOLAN
सोलन हिमाचल प्रदेश

पिन PIN

तीसरा मोड़ THIRD FOLD

पहला मोड़ FIRST FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED

प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

पिन PIN

रा० प्रा० २/६/७८

SOLAN 23.6.78 1215 HRS

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: 8-3-6 स्वरूप मोतीबाग
नई दिल्ली 21
21. 6.78

नरणीय पूज्य गुरु महाराज,

चरण कमलो मे साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो।
निवेदन है कि एक पत्र पिछले सप्ताह श्री सुभाषजी के नाम से सोलन भेजा था किन्तु अभी तक कोई उत्तर नहीं आया। अगर कोई अपराध होगया होतो क्षमा करें।

आगे निवेदन है कि "प्रमेय शैमो" के प्रूफ प्रेस वाले ने कम्पोज कर दिये हैं और पूज्य पिताजी तथा आदरणीय श्री रघुनाथ जी प्रूफ देख रहे हैं, आशा है आपके आशीर्वाद से यह कार्य एक सप्ताह मे सम्पन्न होजायेगा।

भगवन्, दास की एक करबद्ध प्रार्थना है और आशा है कि आप निराश न करेगे। आपका वि.स. १९९० का फोटो तो प्रकाशित हो ही रहा है, अब पूज्य पिताजी और सभी भक्तो की प्रार्थना है कि आपका वर्तमान फोटो भी प्रकाशित होजाय। जो फोटो सोलन मे श्री सुभाषजी के यहां देखा था, उसी फोटो का ब्लोक बनवाकर प्रकाशित करने की अभिलाषा है। मैने सुहाना एक पत्र श्री चौधरी दसौंधीराम जी को लिखा था कि आप जितना चाहे मूल्य लेले किन्तु फोटो अवश्य भेजकर कृतार्थ करें किन्तु अभी तक कोई उत्तर नहीं और अब आशा नहीं है। भगवन्, आप जैसी आज्ञा करें वैसा ही कार्य करूँ, यदि आप आज्ञा करे तो मैं सुहाना जाकर फोटो ले आऊँ?

हां, यहां परसों ~~आ~~ सैक्टर पांच श्री रामकृष्णपुरम से श्री महेन्द्रशर्मा जी आपके दर्शनो का आये तो उन्हे सोलन / का पता दे दिया है।

योग्य सेवा हमे स्वीकार करें। आपका ही
रवि शर्मा निवेदक

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: १०८ पूज्यवर गुरुदेव।

९.५.६०

सादर प्रणाम

मैं ८ ५/६० को प्रयाग से आया था
आपकी औषधियाँ नालागढ़ से ले
आया हूँ। अब मैंने आपकी आज्ञा
के वास्ते किया नालागढ़ के सब
सज्जनों की ओर से नमस्कार।
मैं लिखता हूँ कि ... की बारात
15 ५/६० को ३ बजे देहली पहुँच गई। आप
से विशेष प्रार्थना है कि आप अवश्य
पधारें। मेरी ओर से तथा सब परिवार
की ओर से तथा ... की
तथा ... की ओर से प्रणाम स्वीकार करें

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

मेरे योग्य सेवा कार्य को
आज्ञा करें
आपका सेवक
[illegible]
C/o
वैद्य [illegible] [illegible]
रोड
जंगपुरा ·
दिल्ली -14

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
5 nP INDIA 5 न पै

सेवा में श्री [illegible]
C/o
पं. गोविन्द मिश्र
चौबुर्जी ·
भरतपुर खास
(राजस्थान)

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ता. 5.6.76 ॐ श्री सेक्टर 3

857

रामकृष्णापुरम

नई दिल्ली

परम आदरणीय प्रातः स्मरणीय
अनन्त श्री
गुरुवर महाराज जी सादर
वन्दे।

सेवा में सविनय निवेदन है
कि यहाँ पर सब आपकी
कृपा से कुशल पूर्वक हैं।
आपके सु स्वास्थय लाभ के
लिये ईश्वर से नित्य प्रार्थना
करते हैं। आपके द्वारा भेजा
हुआ पत्र आया। आपके स्वास्थ्य
के बारे में हरदम चिन्ता
रहती है अब कैसा हाल है
यहाँ पर सब लोग ठीक हैं।
आपसे प्रार्थना है कि ...

श्री प्रेम गोविन्द जी को सादर नमस्कार कहना।

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ता. 5.6.76 सैक्टर 3
857
रामकृष्णापुरम
नई दिल्ली

परम आदरणीय प्रिय स्मरणीय
अनन्त श्री
गुरुवर महाराज जी सादर
वन्दे।

सेवा में सविनय निवेदन है
कि यहां पर सब आपकी
कृपा से कुशल पूर्वक हैं।
आपके सुस्वास्थ्य लाभ के
लिये ईश्वर से नित्य प्रार्थना
करते हैं। आपके द्वारा भेजा
हुआ पत्र आया। आपके स्वास्थ्य
के बारे में हृदय बड़ी चिन्ता
रहती है अब कैसा हाल है
यहां पर सब लोग ठीक हैं।
आपसे प्रार्थना है कि आप

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अपना प्रोग्राम बताते रहें
कृपा करें। दिल्ली आप
कब पधारेंगे देखना है तारीख बताएं
आपके श्री चरण
कमलानाथ

NEW DELHI 5 JUN

पोस्ट कार्ड
POST CARD
जवाबी
REPLY
केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में
श्रीमान श्री: महाराज जी
पं० श्री गोविन्द जी मिश्र
राजपंडित
चौबुर्जा Chauburja
BHARATPUR
भरतपुर
पिन PIN Rajasthan

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

ओ३म्

सेक्टर 3 ता: 3.11.76
857 आर.के.पुरम
नई दिल्ली

परम आदरणीय एवं प्रातः स्मरणीय
श्रद्धेय श्री पाद गुरुदेव महाराज श्री
सादर चरण वन्दे

सेवा में निवेदन है कि यहाँ पर सब, आपकी असीम चरणों की कृपा से कुशल है। मौजांबिक प्रतिनिधि दल ने मेरा इन्टरव्यू 2 नवम्बर की बजाय 3 नवम्बर को लिया। इन्टरव्यू आपके आशीर्वाद से ठीक हुआ है। चुनाव निर्णय अभी नहीं बताया। जो भी चुने जायेंगे उन्हें एक या दो महीने में [illegible]

गीता प्रवचन प्रकाशन के पश्चात पुस्तक करादें।

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

के माँ संकेत है ~~[illegible]~~ इन्डस्ट्रियल
डाक्टर और एक्साइटेन्ट का हुआ है
और चुनाव निर्णय बाद में पता लगेगा।
आपका जैसा आदेश है मैं प्रतीक्षा
करूँगा। और [illegible] पता लगा
चुनाव के बाद मैं प्रायः आगत
करूँगा। इति किं
आपका स्नेहानुरागी
राधामोहन

पोस्ट कार्ड
POST CARD
ECONOMIC OFFENCES INVITE PUNISHMENT
भारत INDIA 15 P.

श्रीमान मदनमोहन श्रीः श्रीजी महा
C/O पं. दुर्गा दत्त जी B.A.
A/72 जनता कालोनी
Janta colony.
(~~अमृतेश्वर मन्दिर के सामने~~)
Jaipur जयपुर
राजस्थान
पिन PIN

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi
Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

॥ श्रीः॥ भरतपुर
दि० 2-10-76
(विजयादशमी)

सेवामें

परमादरणीय एवं श्रद्धेय श्री भगवदुपादारविन्दों में कोटिशः जयशङ्कर तथा साष्टाङ्ग ढोक ज्ञात हो।

आप श्री भगवान् की अनन्त कृपा से यहाँ सर्वत्र समस्त कुशल मङ्गल है। आपकी दया-दृष्टिका महा श्री-प्रसाद सर्वत्र बरस रहा है और सबका कल्याण हो रहा है। आपके श्री-प्रकाश से ही सबजगह श्री, सम्पदा और कल्याण कल्याण है। आपके पावन श्री-चरणकमलों की तो यही मर्यादा है - उनका शाश्वत गुण है कि अपने आपके अपनों को पावनकर अपने आप श्रीभगवान् में एकाकार करते हैं - कृतकृत्य करते हैं - प्रभु की धरोहर आप स्वयं में ही विलीन होजाती है। तदुपरान्त कुछ भी शेष नहीं रहजाता है। आपकी कृपा से सब सुलभ है - कुछ भी दुर्लभ नहीं है। सब आपकी ही कृपा है - दया है - आशीर्वाद है। आपका जय जयकार है।

आपका कृपा-पत्र श्री पण्डितजी महाराज के यहाँ प्राप्त हुआ। आशीर्वाद प्राप्तकर स्वस्थ होगया है। पत्र आपकी सेवा में [illegible] कर रहा हूँ। आपका

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

प्रभुजी से प्रार्थना है। आपके श्री पादपद्मों में बारम्बार प्रणाम - जयशङ्कर। अक्टूबर के अन्त में अथवा नवम्बर '76 के प्रारम्भ में आकर दर्शन-लाभ कर अपने कृतार्थ व सार्थक करूंगा। यह सब आपकी इच्छा और दया-दृष्टि से ही सम्भव है। आप ही फलदाता हो। आपको अनन्त जय जयशङ्कर।

आदरणीय पारीकजी सपरिवार सानन्द कुशल क्षेम में हैं। सबका यथायोग्य जयशङ्कर [illegible] हो। बाबूजी श्री रतनलालजी को जयशङ्कर बोल दो। सब आपकी कृपा है।

आपका कृपाकांक्षी
(CHHOTEY LAL)

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

सेवा में
श्री श्री जी महाराजजी C/O
बाबूजी श्री रतनलालजी
C 3 (JANGPURA)
जंगपुरा
(Extension)
विस्तार नई दिल्ली - 14
(New Delhi-14)

पिन PIN

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delh

बरेली
१५-१-५६

आदरणीय पंडितजी!

सादर चरण स्पर्श

चिरकाल से आपको पत्र नहीं डाल सका इसके लिये क्षमा प्रार्थना करता हूं। कुछ दिन से परीक्षाएं चल रही थी और उसके बाद 10 ता० को दिल्ली से यहां आना हुआ क्योंकि यहां पर प्रेमा जीजी का पाणिग्रहण संस्कार 11 ता० को सम्पन्न हो गया है। शीला जीजी आज एक मास यहां रह कर आगरा जा रही हैं और सावो जीजी अभी कुछ दिन और रहेंगी। उनके बुद्धवार 20 दिसम्बर को लड़की हुई है। आशा है दोनों सकुशल हैं।

मेरी 31 जनवरी तक छुट्टियां हैं अतः अभी देर से पहुंचूंगा।

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

गीता जी को चरण स्पर्श जीजी व चाचीजी को पहुँचे। हमारी ओर से भी जीजी व चाचीजी को चरण स्पर्श। ताईजी भी चाचीजी को चरण स्पर्श कह रही हैं। शेष कुशल

पत्रोत्तर की प्रतीक्षा में

तुम्हारा

भगवती

पोस्ट कार्ड

BHARATPUR 21.1.59

INDIA 5 N.P.

श्री पं० गोविन्द मधु

चौबुरजा

भरतपुर (राजस्थान)

Bharatpur (Rajasthan)

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री: । भरतपुर

ता०२६-१२-५३

श्री पूज्य बाबा महाराज के चरणार
विन्द में रामजी का अनेकों बार
साष्टांग प्रणाम स्वीकार हो . अत्र
कुशलं तत्रास्तु । यहां श्री लक्ष्मण
जी के मन्दिर में मैं कथा बांचता हूं
उस मन्दिर के प्रेसीडेन्ट जी ने यह
पूछा है कि कथा से ठाकुरजी को क्या
लाभ है इस सम्बन्ध में शास्त्रोक्त
क्या प्रमाण है मैं ने स्वाभाविक यह
कहा कि कथा तो ठाकुरजी सुनते
हैं मनुष्य उनके सहारे सुनते हैं परंतु उस

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

[illegible]क मुझे कोई ऐतिहासिक प्रमाण
नहीं मिलता फिर आपकी कृपासे एक
प्रमाण मिल गया परंतु फिर इच्छा हुई कि
प्रमाण और भी इकट्ठे हो जायें तो और भी
अच्छा है अतः यह प्रार्थना है इस सम्बन्ध
में आप पांच-चार प्रमाण लिख दें तो मुझे आ-
नन्द होगा और औरों को भी आनन्द होगा।
शेषं शुभम्। आपका — रामजी

पोस्ट कार्ड
केवल पता

अनन्त श्री विभूषित
"श्री जी"
नाम श्रीमान् लाला कस्तूरीलाल जी
पता मेडीको सर्जीकल इन्डस्ट्रीज आनन्द
डाकखाना स्टेशनरोड भाण्डुप
ज़िला भाण्डुप (बम्बई)
Bhandup (Bombay)

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

1-5-61

श्री पूज्य चरण श्री महाराज

जी अनन्त प्रणाम

भाई भोजराज का देहान्त 8-4-61
शनिवार को होगया है अत अधिक
खेद करता हूं कि श्री चरणों के
दर्शनों से यह बाधा उपस्थित
होगई है आपकी चिन्ता भी
अहर्निश रहती है आप अपने
स्वास्थ्य का पता देते रहें तो मन को
शान्ति होती रहेगी

ami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGang

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

पोस्ट कार्ड
POST CARD
साथ का कार्ड जवाब के लिए
THE ANNEXED CARD IS INTENDED FOR THE ANSWER
केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
INDIA
5 NP
5 नये

श्री अमृत वाग्भव जी आचार्य
c/o
अग्रवाल
राज कुमार अग्रवाल
~~डी १२८~~ जी १२६ श्रीनिवासपुरी
रिंग रोड नई दिल्ली १४

N Delhi

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

श्री:

दिल्ली
१६।११।६३

परमपूज्य श्री-चरणों में

आदर प्रणाम।

निवेदन यह है कि एक सप्ताह पश्चात् श्री-पञ्चाशिका के अनुवाद के टाईप हो जाने की आशा प्रकट कर के [illegible] दर्शन कर के मैं आया था; किन्तु अब दो सप्ताह से भी अधिक समय हो-गया और मैं श्री-चरणों में नहीं उपस्थित हो सका। मुझे विशेष संकोच और अपने प्रति एक-ग्लानि का सा अनुभव हो रहा है कि मैं यथा समय नहीं आ-सका और आप को प्रतीक्षा का कष्ट देने के लिए कारण बना किन्तु इस विलम्ब का कारण यह है कि जिस सज्जन को टाईप के लिए कह दिया था उसने कल २६ जनवरी को टाईप कर के दिया है। वह सज्जन प्रभाकर की कक्षा में मेरा छात्र था और उस ने विश्वसनीय निश्चय कर ही श्री-चरणों में एक सप्ताह की अवधि का उस के कथन के अनुसार उल्लेख किया था परन्तु उस ने

mi Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGan

Vidwat Varkala Shri Radha Krishna Dharmika Samsthan, New Delhi

अप्रकाशित [illegible] मुझे भी
काफी परेशान किया। उसका कारण
यह है कि दुर्भाग्यवश वह काफी
बीमार हो गया था अतः इस
कार्य को स्वयं नहीं कर सका और
अब उसने किसी और से टाइप
करवा कर दिया है। टाइप हुए
पृष्ठों में भी काफी संशोधन करना
पड़ा है। उसकी प्रतीक्षा और संशोधन
की आवश्यकता के कारण मैं पहले
दर्शन नहीं कर सका। बुधवार
23 जनवरी को दर्शन करूंगा
और सारा मैटर साथ ले आऊंगा।
इस छोटे कार्य में इतने विलम्ब और
आप को दिये कष्ट के लिए बार बार
[illegible]

पोस्ट कार्ड
POST CARD

केवल पता
ADDRESS ONLY

POSTAGE
5 nP
INDIA
५ न पै

DELHI

सेवा में

श्री महामहोपाध्याय आचार्य चरण
C/o
श्री बख्शी जी
हाउसिंग फैक्टरी
जंगपुरा देहली 1

Swami Amrit Vagbhav Acharya Collection, New Delhi. Digitization eGangotri